


Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

Zechariah  
God Remembers!



Dr. Andy Woods  
Senior Pastor – Sugar Land Bible Church  
President – Chafer Theological Seminary

1

---

---

---

---

---


---

---

---

Structure

- I. Introductory call to repentance (1:1-6)
- II. Eight-night visions (1:7–6:15)
- III. Question and answers about fasting (7–8)
- IV. Two burdens (9–14)



2

---

---

---

---

---

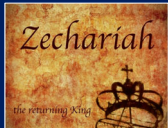
---

---

---

Structure

- I. Introductory call to repentance (1:1-6)
- II. Eight-night visions (1:7–6:15)
- III. Question and answers about fasting (7–8)
- IV. Two burdens (9–14)



3

---

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

ZECHARIAH'S EIGHT NIGHT VISIONS		
Vision	Reference	Meaning
The Red-horse Rider among the Myrtles	1:7-17	God's anger against the nations & blessing on restored Israel.
The Four Horns & the Four Craftsmen	1:18-21	God's judgment on the nations that afflict Israel.
The Surveyor with a Measuring Line	Chapter 2	God's future blessing on restored Israel.
The Cleansing & Crowning of Joshua the High Priest.	Chapter 3	Israel's future cleansing from sin & reinstatement as a priestly nation.
The Golden Lampstand & the Two Olive Trees	Chapter 4	Israel as the light to the nations under Messiah, the King-Priest.
The Flying Scroll	5:1-4	The severity & totality of divine judgment on individual Israelites.
The Woman in the Ephah	5:5-11	The removal of national Israel's sin of rebellion against God.
The Four Chariots	6:1-8	Divine judgment on Gentile nations.

4

---

---

---

---

---


---

---

---

II. Eight Night Visions  
(1:7-6:15)

1. Riders & horses among the myrtle trees (1:7-17)
2. Four horns & four craftsmen (1:18-21)
3. Man with the measuring line (2)
4. Cleansing of the High Priest Joshua (3)
5. Lampstand & olive tree (4)
6. Flying scroll (5:1-4)
7. Woman in the basket (5:5-11)
8. Four chariots (6:1-8)
- Conclusion: crowning of Joshua (6:9-15)



5

---

---

---

---

---

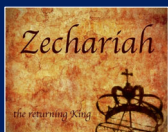
---

---

---

Structure

- I. Introductory call to repentance (1:1-6)
- II. Eight-night visions (1:7-6:15)
- III. Question and answers about fasting (7-8)
- IV. Two burdens (9-14)



6

---

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

III. Questions & Answers Concerning Fasting  
(7-8)

A. Question (7:1-3)

B. Four divine answers (7:4-8:23)

1. Condemnation of empty ritualism (7:4-7)
2. Condemnation of past covenant failure (7:8-14)
3. Prediction of Jerusalem's restoration (8:1-17)
4. Prediction of future blessing (8:18-23)



---

---

---

---

---

---

---

7

Structure

- I. Introductory call to repentance (1:1-6)
- II. Eight-night visions (1:7-6:15)
- III. Question and answers about fasting (7-8)
- IV. Two burdens (9-14)



---

---

---

---

---

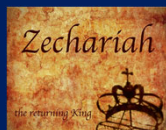
---

---

8

IV. Two Burdens  
(9-14)

- A. Israel's postponed deliverance due to her rejection of her Messiah (9-11)
- B. Israel's future deliverance due to her acceptance of her Messiah (12-14)



---

---

---

---

---

---

---

9

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

IV. Two Burdens  
(9-14)

- A. Israel's postponed deliverance due to her rejection of her Messiah (9-11)
- B. Israel's future deliverance due to her acceptance of her Messiah (12-14)



10

---

---

---

---

---

---

---

---

A. First Burden Outline  
(9-11)

- 1. Divine warrior hymn (9)
- 2. True shepherd (10)
- 3. False shepherd (11)



11

---

---

---

---

---

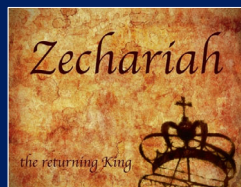
---

---

---

A. First Burden Outline  
(9-11)

- 1. Divine warrior hymn (9)
- 2. True shepherd (10)
- 3. False shepherd (11)



12

---

---

---

---

---

---


---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

1. Divine Warrior Hymn  
(9:1-17)

- a) Judgment on the oppressing nations (1-8)
- b) Messiah (9-10)
- c) Covenant protection (11-17)



13

---

---

---

---


---

---

---

1. Divine Warrior Hymn  
(9:1-17)

- a) Judgment on the oppressing nations (1-8)
- b) Messiah (9-10)
- c) Covenant protection (11-17)



14

---

---

---

---

---

---

---

a) Judgment on the Oppressing Nations  
(9:1-8)

- 1) Hadrach (1a)
- 2) Damascus (1b)
- 3) Hamath (2a)
- 4) Tyre & Sidon (2b-4)
- 5) Philistines (5-7)
- 6) Jerusalem (8)



15

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022



16

---

---

---

---

---

---

---



17

---

---

---

---

---

---

---

**Kenneth L. Barker**

Barker, Kenneth L. "Zechariah." In Daniel-Minor Prophets. Vol. 7 of The Expositor's Bible Commentary. 12 vols. Edited by Frank E. Gaebelein and Richard P. Polcyn. Grand Rapids: Zondervan Publishing House, 1985. p. 657.

"As history shows, the agent of the Lord's judgment was Alexander the Great. After defeating the Persians (333 B.C.), Alexander moved swiftly toward Egypt. On his march he toppled the cities in the Aramean (Syrian) interior, as well as those on the Mediterranean coast. Yet, on coming to Jerusalem, he refused to destroy it."

18

---

---

---

---

---


---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

**1. Divine Warrior Hymn**  
(9:1-17)

- a) Judgment on the oppressing nations (1-8)
- b) **Messiah (9-10)**
- c) Covenant protection (11-17)



19

---

---

---

---

---


---

---

---

**b) Messiah**  
(9:9-10)

- 1) First advent (9)
- 2) Second advent (10)



20

---

---

---

---

---

---

---

---

**b) Messiah**  
(9:9-10)

- 1) **First advent (9)**
- 2) Second advent (10)



21

---

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

b) Messiah  
(9:9-10)

1) First advent (9)

2) Second advent (10)



22

---

---

---

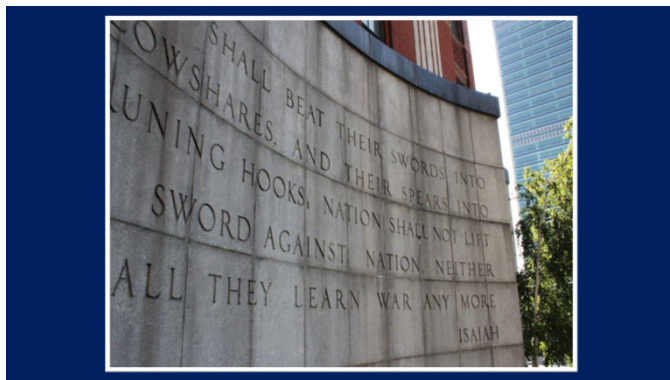
---

---

---

---

---



23

---

---

---

---

---


---

---

---

Isaiah 9:6-7

<sup>6</sup> "For a child will be born to us, a son will be given to us; And the government will rest on His shoulders; And His name will be called Wonderful Counselor, Mighty God, Eternal Father, Prince of Peace.<sup>7</sup> There will be no end to the increase of His government or of peace, The zeal of the Lord of hosts will accomplish this. On the throne of David and over his kingdom, To establish it and to uphold it with justice and righteousness From then on and forevermore."



24

---

---

---

---

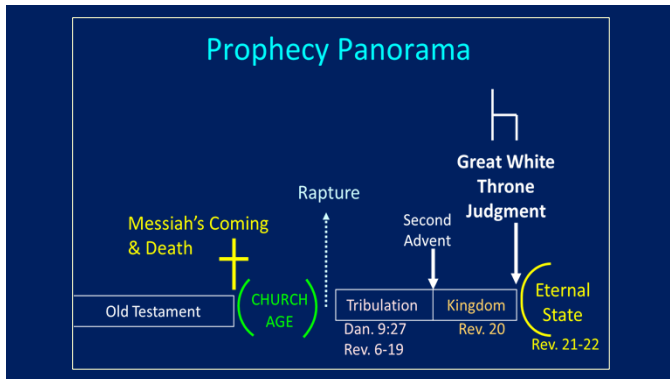
---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022



25

---

---

---

---

---

---

---

---

**Eternal State is Future**

1. No Satan (Rev 20:10)
2. No sea (Rev 21:1)
3. No death, crying, or pain (Rev 21:4)
4. No Sun (Rev 22:5)
5. No Moon (Rev 21:23)
6. No temple (Rev. 21:22)
7. No night (Rev 21:25)
8. No evil (Rev 21:27)
9. No curse (Rev 22:3)

26

---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 1:6; 5:10**

“and He has made us to be a kingdom, priests to His God and Father—to Him be the glory and the dominion forever and ever. Amen...You have made them to be a kingdom and priests to our God; and they will reign [*basileuō*] upon the earth [*gē*].”

27

---

---

---

---

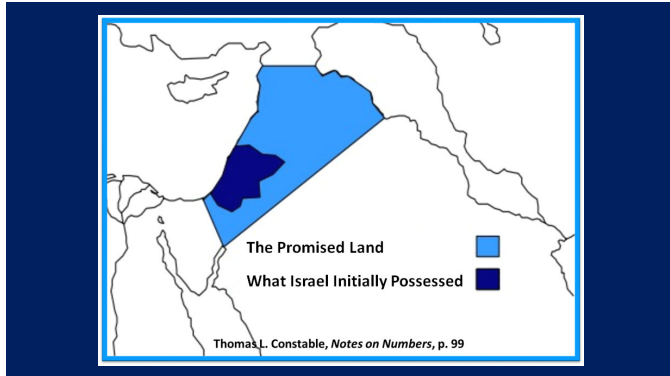
---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022



28

---

---

---

---

---

---

---

---



29

---

---

---

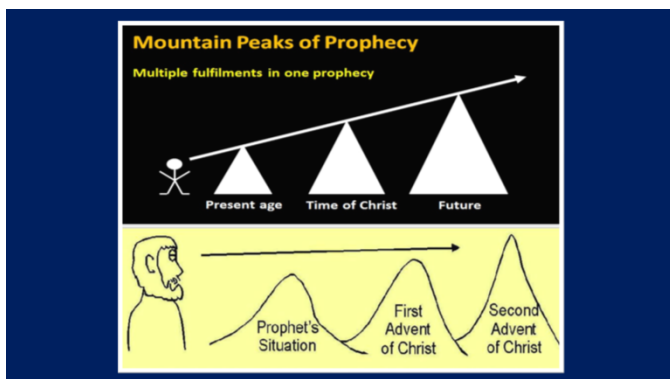
---

---

---

---

---



30

---

---

---

---

---

---

---


---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

Warren Wiersbe

Wiersbe, Warren W. "Zechariah." In The Bible Exposition Commentary/Prophets, pp. 447-76. Colorado Springs, Colo.: Cook Communications Ministries; and Eastbourne, England: Kingsway Communications Ltd., 2002. p. 467.

"The entire age of the church fits between Zechariah 9:9 and 9:10, just as it does between Isaiah 9:6 and 7 and after the comma in Isaiah 61:2."



31

---

---

---

---

---


---

---

---

Isaiah 9:6-7

<sup>6</sup> "For a child will be born to us, a son will be given to us; And the government will rest on His shoulders; And His name will be called Wonderful Counselor, Mighty God, Eternal Father, Prince of Peace.<sup>7</sup> There will be no end to the increase of His government or of peace. The zeal of the Lord of hosts will accomplish this. On the throne of David and over his kingdom, To establish it and to uphold it with justice and righteousness From then on and forevermore."



32

---

---

---

---

---


---

---

---

1. Divine Warrior Hymn  
(9:1-17)

- a) Judgment on the oppressing nations (1-8)
- b) Messiah (9-10)
- c) Covenant protection (11-17)



33

---

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

c) Covenant Protection  
(9:11-17)

- 1) Blood covenant (11a)
- 2) Prisoners liberated (11b-12)
- 3) Victories (13-17)



34

---

---

---

---

---

---

---

c) Covenant Protection  
(9:11-17)

- 1) Blood covenant (11a)
- 2) Prisoners liberated (11b-12)
- 3) Victories (13-17)



35

---

---

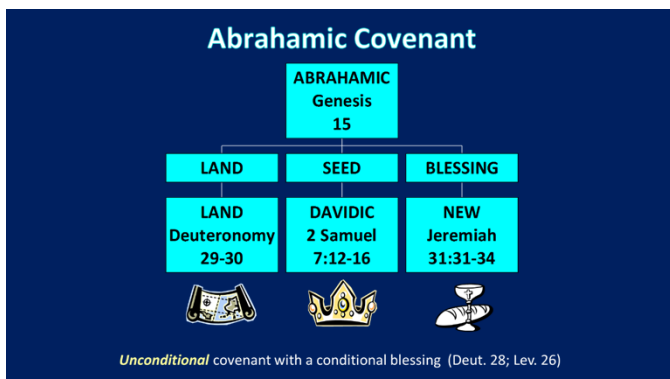
---

---

---

---

---



36

---

---

---


---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022



**Charles Ryrie**  
The Ryrie Study Bible

**“Zechariah 9:11-12** (RSB:NASB1995U): 9:11-12 Restoration and blessing for those still in Babylon is promised. Blood of My covenant. Probably the Abrahamic covenant, which was ratified with a blood sacrifice (Gen. 15:9–10), though possibly the Mosaic, which required many blood sacrifices. Waterless pit. Cistern used as a dungeon.

37

---

---

---

---

---

---

---

---



38

---

---

---

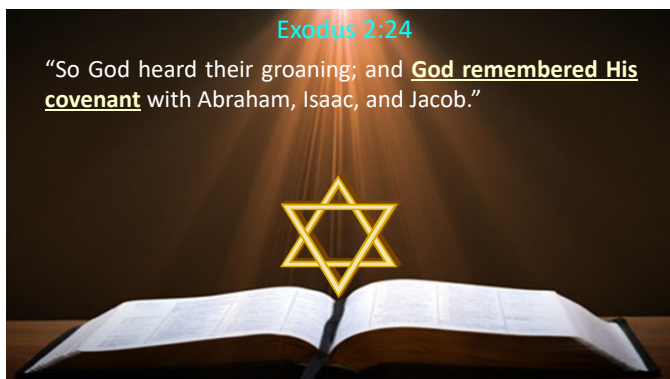
---

---

---

---

---



39

---

---

---

---

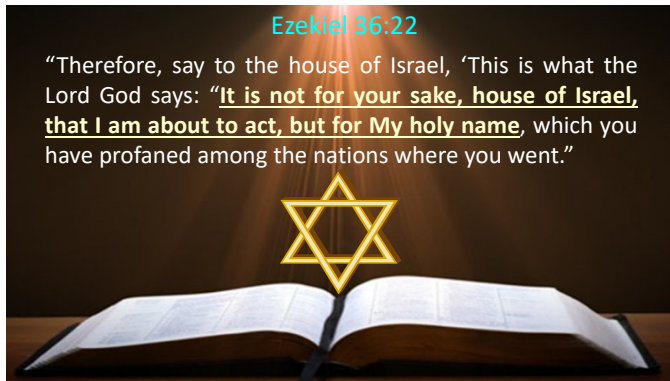
---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022



40

---

---

---

---

---

---

---



41

---

---

---

---

---

---

---



42

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

Three Returns							
	DATE	DURATION	PERSIAN KING	JEWISH LEADER	SCRIPTURE	PURPOSE	NUMBER OF RETURNEES
1 <sup>st</sup> return	538-515 B.C.	23 years	Cyrus (Isa. 44:28-45:1)	Zerubbabel	Ezra 1-6; Isaiah 44:28	Rebuilding the temple	50,000
2 <sup>nd</sup> return	458-457 B.C.	2 years	Artaxerxes	Ezra	Ezra 7-10	Adorning of the temple and reforming the people	2,000
3 <sup>rd</sup> return	444-432 B.C.	8 years	Artaxerxes	Nehemiah	Nehemiah	Rebuilding the wall	

43

---

---

---


---

---

---

---

---



**Charles Ryrie**  
The Ryrie Study Bible

**“Zechariah 9:11-12** (RSB:NASB1995U): 9:11-12 Restoration and blessing for those still in Babylon is promised. Blood of My covenant. Probably the Abrahamic covenant, which was ratified with a blood sacrifice (Gen. 15:9-10), though possibly the Mosaic, which required many blood sacrifices. Waterless pit. Cistern used as a dungeon.

44

---

---

---

---

---

---

---

---

**c) Covenant Protection**  
(9:11-17)

- 1) Blood covenant (11a)
- 2) Prisoners liberated (11b-12)
- 3) **Victories (13-17)**



45

---

---

---

---


---

---

---



---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022



**Charles Ryrie**  
The Ryrie Study Bible

**“Zechariah 9:13-17** (RSB:NASB1995U): 9:13-17 These verses predict the defeat of Greece (particularly of Antiochus Epiphanes) by the Jewish people during the Maccabean era (second century b.c.).



---

---

---

---

---

---

---

---

46

**HANUKKAH**

- The Maccabean revolt
- December 25<sup>th</sup> 164 BC, the temple is liberated and rededicated
- 1 & 2 Maccabees
- The miracle of the lamp oil
- Hanukkah “Feast of Dedication” (festival of lights).
- Christmas / Jewish Holiday
- John 10:22-24



---

---

---

---


---

---

---

---

47



**Charles Ryrie**  
The Ryrie Study Bible

**“Zechariah 9:1** (RSB:NASB1995U): 9:1 Some hold that chaps. 9–14 are not to be ascribed to Zechariah. However, many similarities exist between chaps. 1–8 and 9–14, and difference of style is never a conclusive argument for different authorship. The reference to Greece as a future dominant power (9:13) is no problem if one accepts the validity of predictive prophecy.

---

---

---

---

---

---

---

---

48

# Dr. Andy Woods

## Zechariah 020 - 9v10-17

### 03-02-2022

#### Unique Characteristics

- Interpreting angel
- Longest minor prophet
- Messianic prophecies
- Multiplicity of literary styles
- Times of the Gentiles
- Israel's Eschatology
- Two burdens focused upon in the passion narratives
- Third most alluded to book in the Apocalypse
- Imputation (3:1-5)
- Summation of prophetic themes



49

---

---

---

---

---

---

---

---



#### Statue & Stone



50

---

---

---

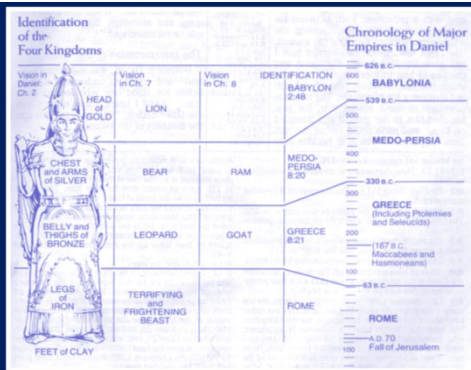
---

---

---

---

---



51

---

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

7 Levitical Feasts (Leviticus 23)			
Feast	Season	Purpose	Type
Passover	Spring	Redemption	1 Cor 5:7
Unleavened Bread	Spring	Separation	John 6:35
1st fruits	Spring	Praise for initial crop	1 Cor. 15:20
Pentecost	Spring	Praise for full crop	Acts 2:1-4
Trumpets	Fall	New Year	Matt. 24:31
Atonement	Fall	Lev. 16	Zech. 12:10
Booths	Fall	Wilderness provision	Zech. 14:16-18

52

---

---

---

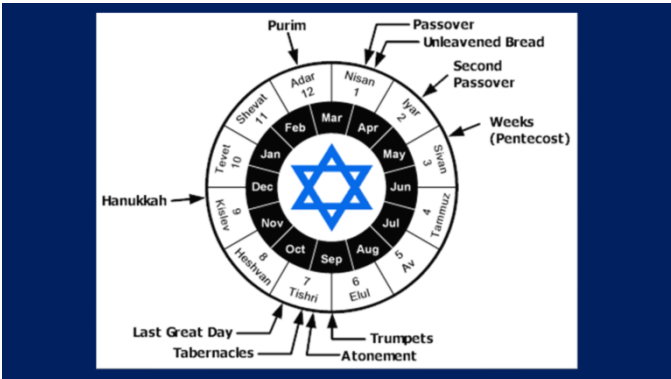
---

---

---

---

---



53

---

---

---

---

---

---

---

---



54

---

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

Six Parts of a Suzerain-Vassal Treaty in Deuteronomy

- Preamble (1:1-5)
- Prologue (1:6–4:40)
- Covenant obligations (5–26)
- Storage and reading instructions (27:2-3; 31:9, 24, 26)
- Witnesses (32:1)
- Blessings and curses (28)



55

---

---

---

---

---

---

---

Thomas McComiskey

McComiskey, Thomas Edward. "Zechariah." In The Minor Prophets: An Exegetical and Expositional Commentary, 3:1003-1244. 3 vols. Edited by Thomas Edward McComiskey. Grand Rapids: Baker Books, 1992, 1993, and 1998. Page 1174

"The citizens of Christ's kingdom as well as God's ancient people are a landed people. Hebrews 3 and 5 make this clear, affirming the believer's landedness in the gospel—'at- homeness in Christ.' Today, the fruit of the land that causes its citizens to flourish is the fruit of salvation."

56

---

---

---

---

---

---

---

GAP BETWEEN 483<sup>rd</sup> AND 484<sup>th</sup> YEAR

- A. Prophecy runs successively for 483 years
- B. Gap between 483<sup>rd</sup> and 484<sup>th</sup> year

69 weeks  
483 years

(GAP)

70<sup>th</sup> week  
7 years

57

---

---

---

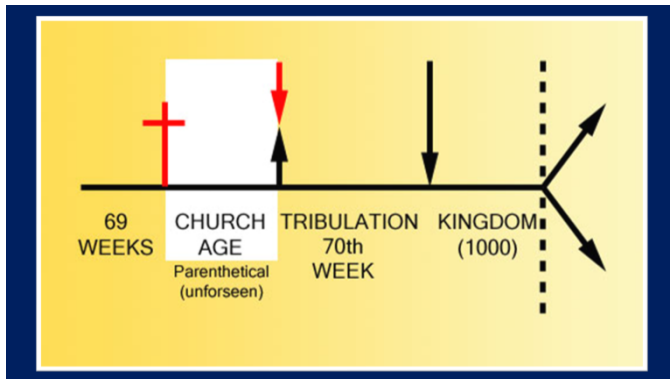
---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022



58

---

---

---

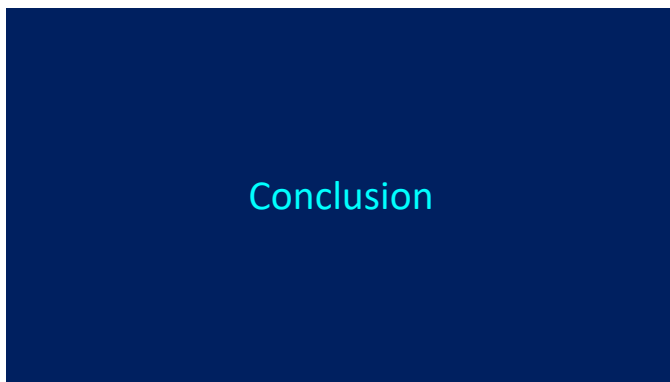
---

---

---

---

---



59

---

---

---

---

---


---

---

---

A. First Burden Outline  
(9-11)

- 1. Divine warrior hymn (9)
- 2. True shepherd (10)
- 3. False shepherd (11)



60

---

---

---

---

---

---

---

---

Dr. Andy Woods  
Zechariah 020 - 9v10-17  
03-02-2022

1. Divine Warrior Hymn  
(9:1-17)

- a) Judgment on the oppressing nations (1-8)
- b) Messiah (9-10)
- c) Covenant protection (11-17)



61

---

---

---

---

---

---

---

A. First Burden Outline  
(9-11)

- 1. Divine warrior hymn (9)
- 2. True shepherd (10)
- 3. False shepherd (11)



62

---

---

---

---

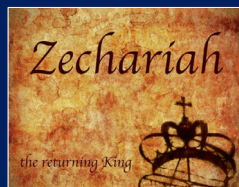
---

---

---

A. First Burden Outline  
(9-11)

- 1. Divine warrior hymn (9)
- 2. True shepherd (10)
- 3. False shepherd (11)



63

---

---

---

---

---

---

---